Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 5

समकालीन विश्व में सुरक्षा

भाग - 5

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत सुरक्षा की रणनीतियां

- सैन्य क्षमता को मजबूत करना।
  - पड़ौसी देशों में होते हमले
    - 1974 में भारत का पहला परमाणु परीक्षण
- अपने सुरक्षा हितों को बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कायदों और संस्थाओं को मजबूत करना।
  - एशियाई एकता
  - अनौपनिवेशीकरण
  - निरस्त्रीकरण
  - संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका
  - गटनिरपेक्षता
  - क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर
- देश की अंदरूनी समस्याओं से निपटने की तैयारी
  - लोकतांत्रिक व्यवस्था का पालन
    - विभिन्न वर्गों एवं जनसमुदाय को अपनी शिकायतों को खुलकर रखने और भागीदारी का मौका
- अर्थव्यवस्था को इस तरह विकसित करने के प्रयास
  - बहुसंख्यकों नागरिकों को गरीबी और अभाव से निजात मिले
    - नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता कम से कम हो।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

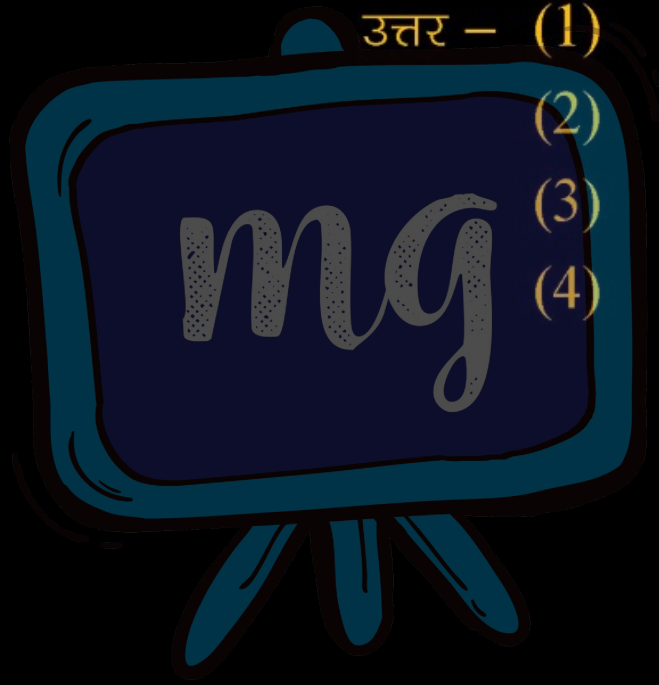
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. निम्नलिखित पदों को उनके अर्थ से मिलाएँ –

1. विश्वास बहाली के उपाय (कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स-CBMs)।	(क) कुछ खास हथियारों के इस्तेमाल से परहेज
2. अस्त्र नियंत्रण।	(ख) राष्ट्रों के बीच सुरक्षा-मामलों पर सूचनाओं के आदान-प्रदान की नियमित प्रक्रिया।
3. गठबंधन	(ग) सैन्य हमले की स्थिति से निबटने अथवा उसके आरोप के लिए कुछ राष्ट्रों को आपस में मेल करना।
4. निरस्त्रीकरण	(घ) हथियारों के निर्माण अथवा उनको हासिल करने पर अंकुश।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर – (1) - (ख)

(2) – (घ)

(3) – (ग)

(4) - (क)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित में से किसको आप सुरक्षा का परंपरागत सरोकार/सुरक्षा का अपारंपरिक सरोकार/'खतरे की स्थिति नहीं' का दर्जा देंगे -

(क) चिकनगुनिया/डेंगू बुखार का प्रसार। → अपारंपरिक सुरक्षा

(ख) पड़ौसी देश से कामगारों की आमद। — परम्परागत

(ग) पड़ौसी राज्य से कामगारों की आमद — नहीं / अपरम्परागत

(घ) अपने इलाके को राष्ट्र बनाने की मांग करने वाले समूह का उदय।

(ङ) अपने इलाके को अधिक स्वायत्ता दिये जाने की मांग करने वाले समूह का उदय। — खतरा नहीं

(च) देश की सशस्त्र सेना को आलोचनात्मक नजर से देखने वाला अखबार।। — परम्परागत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर – (क) अपारंपरिक सरोकार

(ख) पारंपरिक सरोकार

(ग) खतरे की स्थिति नहीं

(घ) अपारंपरिक सरोकार

(ड़) खतरे की स्थिति नहीं

(च) पारंपरिक सरोकार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. परंपरागत और अपारंपरिक सुरक्षा में क्या अंतर है? गठबंधनों का निर्माण करना और उनको बनाये रखना इनमें से किस कोटि में आता है?

उत्तर : पारंपरिक सुरक्षा -

- सैन्य खतरों पर ध्यान होता है।
- सुरक्षा नीति का संबंध मुख्यतया युद्ध की आंशका को रोकने से है। अपरोध
- इसमें सुरक्षा नीति में राष्ट्रों के मध्य अपने पक्ष में शक्ति संतुलन बनाना तथा सैनिक गठबंधनों का निर्माण भी शामिल है।
- इस धारणा के अनुसार किसी देश को खतरा उसकी सीमा से बाहर से होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपारंपरिक सुरक्षा :

- इसमें केवल सैन्य खतरों को ही नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले व्यापक खतरों व आंशकाओं को शामिल किया जाता है।
- इस धारणा में समुची मानवता की सुरक्षा को शामिल किया जाता है।
- इसमें गरीबी अशिक्षा, असमानता जैसी समस्याएं शामिल है।
- सैन्य गठबंधनों का निर्माण करना तथा उन्हें बनाये रखना पारंपरिक सुरक्षा की धारणा के अंतर्गत आता है। यह सैन्य सुरक्षा का एक साधन है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. तीसरी दुनिया के देशों और विकसित देशों की जनता के सामने मौजूद खतरों में क्या अंतर है ?

उत्तर – तीसरी दुनिया के देशों और विकसित देशों की जनता के सामने मौजूद खतरों में अंतर –

- विकसित देशों के लोगों को केवल बाहरी खतरे की आशंका रहती है, परंतु तीसरी दुनिया के देशों को आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ता है।
- गरीबी, अशिक्षा, महामारी आदि की समस्याओं का सामना तीसरी दुनिया के देशों को ज्यादा करना पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. आतंकवाद सुरक्षा के लिए परंपरागत खतरे की श्रेणी में आता है या अपंपरागत ?

उत्तर – अपंरपरागत श्रेणी में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. सुरक्षा के परंपरागत दृष्टिकोण के हिसाब से बताएँ कि अगर किसी राष्ट्र पर खतरा मंडरा रहा हो तो उसके सामने क्या विकल्प होते हैं ?

उत्तर – परंपरागत दृष्टिकोण के हिसाब से अगर किसी राष्ट्र पर खतरा मंडरा रहा हो तो उसके सामने तीन विकल्प होते हैं –

1. शत्रु देश के सामने आत्मसमर्पण कर देना।
2. शत्रु देश को पराजित करना।
3. युद्ध से होने वाले नाश को इस हद तक बढ़ने का संकेत देना कि दूसरा पक्ष सहमकर हमला करने से बाज आये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. 'शक्ति संतुलन' क्या है ? कोई देश इसे कैसे कायम करता सकता है ?

उत्तर — शक्ति संतुलन : जब कोई देश या देशों समूह खुद को इतना ताकतवर बना ले कि वह दुश्मन देश या देशों के समूह की बराबरी कर ले जिससे उसके दुश्मन देश या देशों के समूह उस पर आक्रमण करके उसे पराजित न कर सकें।

शक्ति संतुलन के उपाय :

- सैन्य शक्ति बढ़ाकर
- गठबंधन बनाकर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. सैन्य गठबंधनों के उद्देश्य क्या हैं? किसी ऐसे सैन्य गठबंधन का नाम बताएँ जो अभी मौजूद हैं। इस गठबंधन के उद्देश्य भी बताएँ?

उत्तर –

- सैन्य गठबंधन का उद्देश्य विरोधी देश के सैन्य हमले को रोकना या उससे अपनी रक्षा करना होता है।
- सैन्य गठबंधन बनाकर एक विशेष क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

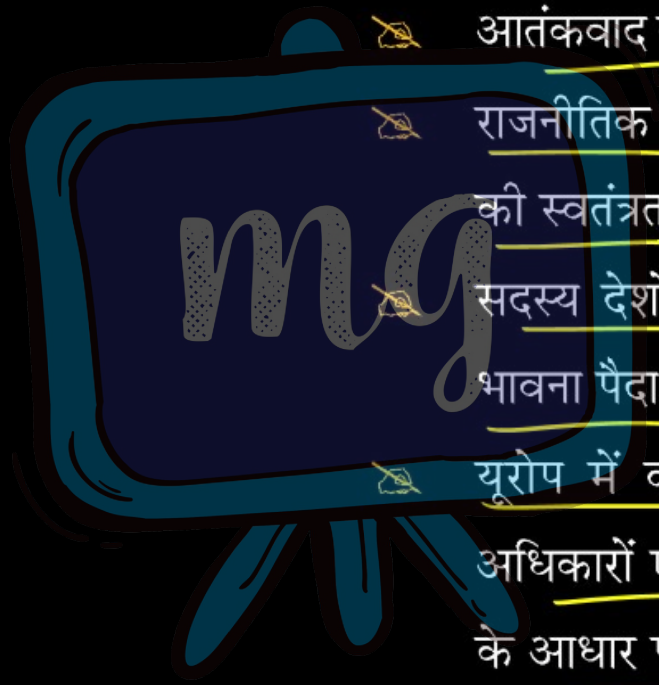
NATO

North Atlantic Treaty Organization

- वर्तमान समय में 'नाटो' एक सैन्य गठबंधन उपस्थित है, इसके उद्देश्य – 04 April 1949 → 32 देश्य २०५
- सैन्य एवं आर्थिक विकास के अनेक कार्यक्रमों का संचालन करना।
- पश्चिम यूरोप के देशों को एक सूत्र में संगठित करना।
- वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए नवाचार एवं अनुकूलन के साथ-साथ उपकरणों के निर्माण को प्रोत्साहित करना।
- समुद्र या समुद्र से संभावित खतरों से अपने सहयोगियों को रक्षा करने में मदद करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार न करना।
- राजनीतिक और सैन्य तरीकों से अपने सदस्य राष्ट्रों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करना।
- सदस्य देशों के बीच एकजुटता और सामंजस्य भावना पैदा करना।
- यूरोप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकारों एवं कानून के शासन के समान मूल्यों के आधार पर स्थायी शांति सुनिश्चित करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

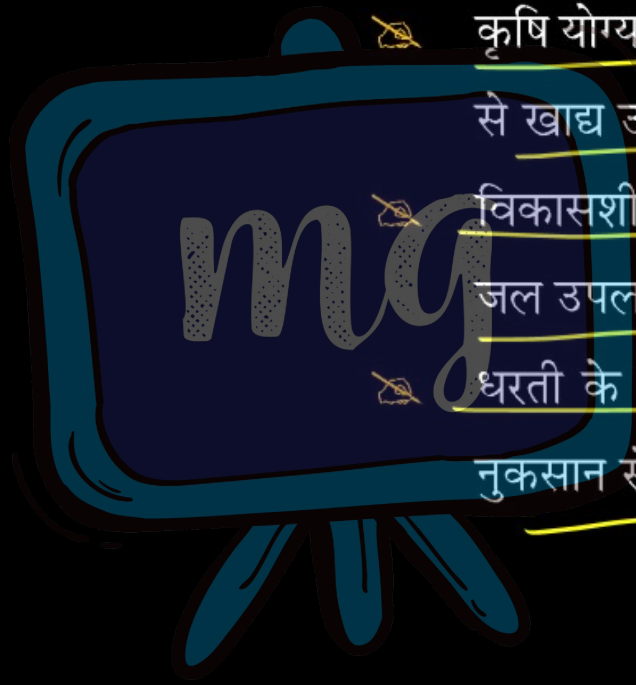
9. पर्यावरण के तेजी से हो रहे नुकसान से देशों की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? उदाहरण देते हुए अपने तर्कों की पुष्टि करें ?

उत्तर – हम इस कथन से पूर्णतया सहमत है। पर्यावरण के नुकसान से मानव जाति को खतरा उत्पन्न हो गया है –

- पर्यावरण प्रदूषण के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि – समुद्र के जलस्तर में वृद्धि – द्वीपीय देशों के डूब जाने का खतरा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- कृषि योग्य भूमि, जलस्त्रोत तथा वायुमण्डल प्रदूषण से खाद्य उत्पादन में कमी – खाद्यान्न संकट।
- विकासशील देशों में बहुत से लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं।
- धरती के ऊपर वायुमण्डल में ओजोन परत को नुकसान से मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10. देशों के सामने फिलहाल जो खतरे मौजूद हैं उनमें परमाण्विक हथियार का सुरक्षा अथवा अपरोध के लिए बड़ा सीमित उपयोग रह गया है। इस कथन का विस्तार करें।

उत्तर – आज देशों के सामने अनेकों खतरे उपस्थित हैं।

जिनमें –

- आतंकवाद
- पर्यावरण क्षरण
- जातीय संघर्ष
- निर्धनता
- जनता के मूल मानवाधिकारों का हनन आदि

परमाण्विक हथियार की सुरक्षा केवल सैन्य खतरों में ही प्राप्त हो सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

11. भारतीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए किस किस्म की सुरक्षा को वरीयता दी जानी चाहिए – पारंपरिक या अपारंपरिक ? अपने तर्क की पुष्टि में आप कौन–से उदाहरण देंगे ?

उत्तर – यदि भारतीय परिदृश्य पर गौर किया जाये तो यह स्पष्ट हो जाता है कि भारतीय सुरक्षा को पारंपरिक एवं अपारंपरिक दोनों ही प्रकार के खतरे हैं। अत: दोनों ही प्रकार की सुरक्षा को वरीयता दी जानी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

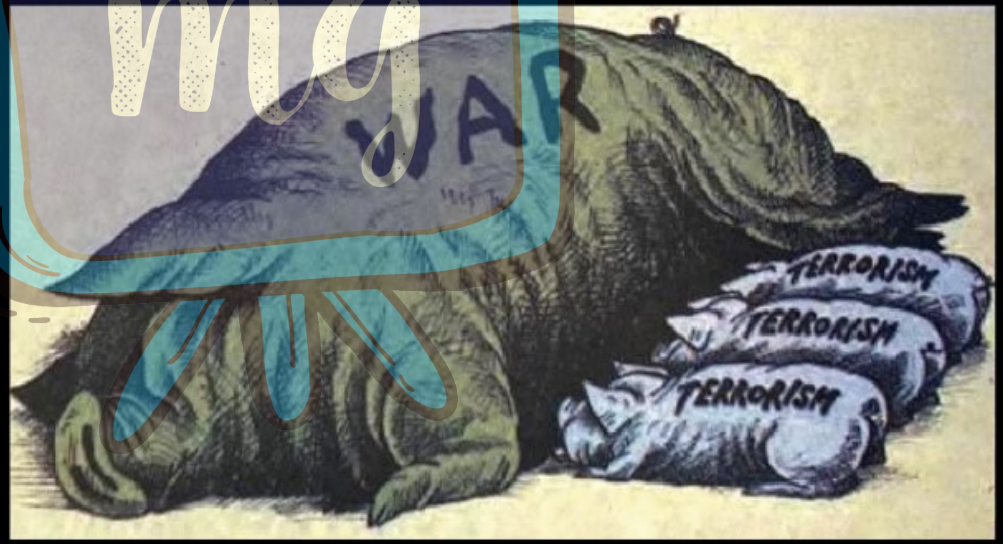
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. पारंपरिक सुरक्षा –
   - पड़ौसी देशों विशेषकर पाकिस्तान व चीन से खतरा।
   - अलगाववादी हिंसक गुट तथा नक्सलवादी समूह भी सक्रिय
2. अपारंपरिक सुरक्षा –
   - आतंकवाद
   - निर्धनता
   - महामारियां

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

12. दिए गए कार्टून को समझें। कार्टून में युद्ध और आतंकवाद का जो संबंध दिखाया गया है उसके पक्ष या विपक्ष में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर – दिए गए चित्र में युद्धरूपी विशाल सुअर द्वारा आतंकवादी बच्चो को दूध पिलाते दिखाया गया है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि युद्ध द्वारा ही आतंकवाद को जन्म मिलता है तथा युद्ध अथवा संघर्ष की स्थिति में आतंकवाद घोषित होता है तथा फलता-फूलता है।

इस संबंध के पक्ष में तर्क –

- युद्ध दो पक्षों के बीच वैचारिक अथवा हितों की असहमति से उपजा संघर्ष है। इसमें जो पक्ष कमजोर होता है वह अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए आतंकवाद का सहारा लेता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उदाहरण – सोवियत संघ की सेनाओं ने अफगानिस्तान में घुसपैठ की तो निर्वाचित कट्टरपंथियों को अमरीका ने सहायता पहुंचाई, यही कट्टरपंथी तालिबान के नाम से संपूर्ण विश्व में आतंकवादी गतिविधियों में संलग्न है।